चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पंजाब केसरी .....

दिनांक 1.11.2022 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-5.....

हरियाणा दिवस : चुनौतियों को बौना साबित किया

किसानों ने खाद्यान्न उत्पादन में बनाई हरियाणा की विशेष पहचान

वैज्ञानिकों की सलाह को अपनाकर बदला खेती का तरीका

हिसार, 31 अक्तूबर (ब्यूरो): आज बेशक किसान को नए कानूनों के दायरे में बांधा जा रहा हो, लेकिन इन्हीं की बदौलत हरियाणा प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा। प्रदेश गठन के समय अनेक चुनौतियां थी। खासतौर से खाद्यान्न उत्पादन में हरियाणा का कोई खास दर्जा नहीं था, लेकिन किसानों और वैज्ञानिकों की मेहनत की बदौलत खेती में काफी बदलाव देखने को मिला। किसानों ने वैज्ञानिक तरीके अपनाकर खेती करने का ढंग बदला, जिसका परिणाम है अब हरियाणा की गिनती देश के खाद्यान भण्डारण व फसल उत्पादन वाले अग्रणी प्रदेशों में है।

आंकड़ों की बात करें तो जब प्रदेश 1966-67 में संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय यहां का खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। भंडारण की बात करें तो देशभर के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल हिस्सा 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। आज हरियाणा प्रदेश गेहूं के प्रति हैक्टेयर उत्पादन क्षमता में देश में

नंबर वन है। अकेला हरियाणा प्रदेश देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है जबकि कुल चावल उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। यही नहीं पिछले 20 वर्षों में गेहूं व चावल के उत्पादन में रिकार्ड वृद्धि हुई है।

प्रति हैक्टेयर 3 गुणा से अधिक बढ़ा गेहूं का उत्पादन

वर्ष 1966-67 में प्रदेश में गेहूं का उत्पादन मात्र 14.25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 41.06 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 46.87 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन गेहूं का उत्पादन 34.21 क्विंटल प्रति हेक्टेयर आंका गया है जबकि प्रदेश में गेहूं का औसतन उत्पादन 46.87 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

इसी प्रकार वर्ष 1966-67 में प्रदेश में चावल का उत्पादन मात्र 11.61 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 25.57 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 33.34 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन चावल का उत्पादन 27.05 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है जबकि प्रदेश में चावल का औसतन उत्पादन 33.34 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

हरित क्रांति में कृषि वैज्ञानिकों का अहम योगदान

प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों का भी अहम योगदान है। दलहन व तिलहन फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है। मौजूदा समय में विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यू.एच. 1187 व डब्ल्यू.एच. 1105 जैसी उन्नत किस्में विकसित की हैं, जिनका उत्पादन प्रति हेक्टेयर 61.2 क्विंटल से 71.6 क्विंटल तक आंका गया है। अब तक हकृवि द्वारा गेहूं की 23 किस्मों को विकसित किया गया है जिनमें 14 किस्में राष्ट्रीय स्तर पर जबकि 9 किस्में प्रदेश स्तर के किसानों के लिए जारी की गई हैं। इसी प्रकार बाजरे की 21, जौ की 8 किस्में, मक्का की 15, दलहन की 36, तिलहन की 29, कपास की 24, चारा की 34, गन्ने की 8, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की 8, सब्जियों की 27 और बागवानी की 4 किस्में विकसित की हैं। वहीं चावल की 12 किस्में विकसित की गई हैं जिनमें 11 किस्मों को प्रदेश व 1 किस्म को देशभर के लिए जारी किया गया है।

250 नई व उन्नत किस्में विकसित की

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह। (चारंग)

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का जिक्र करते बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों की 250 नई व उन्नत किस्में विकसित की हैं जो रोग प्रतिरोधी व अधिक पैदावार देने वाली हैं। अब तक 533 राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एम.ओ.यू. साइन हो चुके हैं। अभी तक विश्वविद्यालय को 17 पेटैंट, 5 कॉपीराइट और 2 डिजाइनों को स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा 49 पेटैंट, 1 कॉपीराइट व 2 डिजाइन विश्वविद्यालय की ओर से स्वीकृति के लिए अप्लाई किए गए हैं। विश्वविद्यालय ग्रामीण व शहरी महिलाओं, युवाओं व प्रदेश के किसानों को स्वावलम्बी, समृद्ध और आर्थिक रूप से संपन्न बनाने की दिशा में प्रयासरत है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......हरिभूमि.......

दिनांक 1.11.2020 पृष्ठ संख्या 13 कॉलम 2-6

देश के खाद्यान भंडारण को समृद्ध बनाने में हकृवि की भूमिका अहम

हरियाणा क्षेत्रफल की दृष्टि से छोटा खाद्यान में अग्रणी : प्रो. समरसिंह

हरियाणा दिवस पर किसानों से किया आह्वान, अधिक से अधिक विश्वविद्यालय की नई तकनीकों व फसलों की किस्मों का उठाएं लाभ

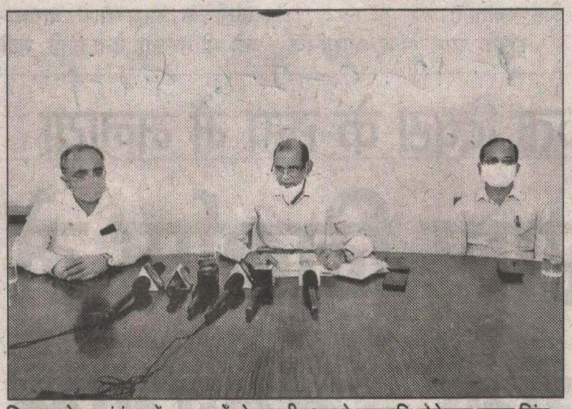

हिसार। प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों से बातचीत करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारी। फोटो:हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा क्षेत्रफल की दृष्टि से देश के अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के खाद्यान भंडारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने हरियाणा दिवस की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से बातचीत में कही। कुलपति ने कहा कि प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, अथक प्रयासों, लगन, दूरगामी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है।

उन्नत किस्मों से किसान हो रहा समृद्ध

प्रो. समर सिंह ने कहा कि आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भंडारण में प्रदेश का कुल भंडारण का 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। आज हरियाणा प्रदेश गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता में देश में नंबर वन है। अकेला हरियाणा प्रदेश देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है जबकि कुल चावल उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर है।

यह रही विश्वविद्यालय की उपलब्धियां

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए आगे बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों की 250 नई व उन्नत किस्में विकसित की हैं जो रोग प्रतिरोधी व अधिक पैदावार देने वाली हैं। अब तक 533 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमओयू साइन हो चुके हैं।

आधुनिक तकनीकों के प्रयोग से पिछले 20 वर्षों में गेहूं व चावल के उत्पादन में रिकार्ड वृद्धि हुई

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि पिछले 20 वर्षों में गेहूं व चावल के उत्पादन में रिकार्ड वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों व आधुनिक तकनीकों से प्रदेश का

किसान समृद्ध और खुशहाल हो रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1966-67 में प्रदेश में गेहूं का उत्पादन मात्र 14.25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 41.06 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 46.87 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन गेहूं का उत्पादन 34.21 क्विंटल प्रति हेक्टेयर आंका गया है जबकि प्रदेश में गेहूं का औसतन उत्पादन 46.87 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। मौजूदा समय में विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यूएच 1187 व डब्ल्यूएच 1105 जैसी उन्नत किस्में विकसित की हैं जिनका उत्पादन प्रति हेक्टेयर 61.2 क्विंटल से 71.6 क्विंटल तक आंका गया है। अब तक विश्वविद्यालय द्वारा गेहूं की 23 किस्मों को विकसित किया गया है जिनमें 14 किस्में राष्ट्रीय स्तर पर जबकि 9 किस्में प्रदेश स्तर के किसानों के लिए जारी की गई हैं। इसी प्रकार बाजरे की 21, जौ की 8 किस्में, मक्का की 15, दलहन की 36, तिलहन की 29, कपास की 24, चारा की 34, गन्ने की 8, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की 8, सब्जियों की 27 और बागवानी की 4 किस्में विकसित की हैं।

चावल उत्पादन में भी हुई रिकार्ड बढ़ोतरी

इसी प्रकार वर्ष 1966-67 में प्रदेश में चावल का उत्पादन मात्र 11.61 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 25.57 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 33.34 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन चावल का उत्पादन 27.05 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है जबकि प्रदेश में चावल का औसतन उत्पादन 33.34 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। अब तक विश्वविद्यालय द्वारा चावल की 12 किस्में विकसित की गई हैं जिनमें 11 किस्मों को प्रदेश व 1 किस्म को देशभर के लिए जारी किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........
दिनांक 1.11.2020 पृष्ठ संख्या......4...... कॉलम......1-3......

देश के खाद्यान्न भंडारण को समृद्ध बनाने में एचएयू की भूमिका अहम : प्रो. समर सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान्न उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था, जो अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान्न उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वह हरियाणा दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान्न भंडारण में प्रदेश का कुल भंडारण का 16 प्रतिशत है, जो एक बड़ी उपलब्धि है।

कुलपति ने बताया कि अब तक विश्वविद्यालय ने गेहूं की 23 किस्में, चावल की 12, बाजरे की 21, जौ की 8 किस्में, मक्का की 15, दलहन की 36, तिलहन की 29, कपास की 24, चारे की 34, गन्ने की 8, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की 8, सब्जियों की 27 और बागवानी की चार किस्में विकसित की हैं।

जानकारी देते प्रो. समर सिंह व डॉ. एसके सहरावत।

ये हैं विश्वविद्यालय की उपलब्धियां : प्रो. समर सिंह ने बताया कि अभी तक विश्वविद्यालय को 17 पेटेंट, 5 कॉपीराइट और दो डिजाइनों को स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा 49 पेटेंट, 1 कॉपीराइट व दो डिजाइन स्वीकृति के लिए अप्लाई किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार मिले हैं। इनमें से देश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा मिला प्रथम राष्ट्रीय पुरस्कार व हाल ही में विश्वविद्यालय को मिली प्रथम अटल रैंकिंग शामिल हैं।

केंद्रीय खाद्यान्न भंडारण में प्रदेश का कुल हिस्सा 16 प्रतिशत

जल्द शुरू होगा बायोगैस प्लांट : एचएयू में निर्माणाधीन बायो गैस प्लांट पर कुलपति ने कहा कि इसके लिए बाहर से कोई मशीन आनी थी, जिसे आने में देरी हो गई। इस कारण से इसे शुरू नहीं करवाया जा सका है। मगर जल्द ही शुरू करवाया जाएगा। सोलर ग्रीन हाउस घोटाले के मामले में उन्होंने कहा कि इसे लेकर कमेटी ने अभी अपनी रिपोर्ट नहीं सौंपी है। कमेटी ने जांच के लिए कुछ समय मांगा था। उधर, ठेकेदार भी काम करने को तैयार है। प्रदेश में किसानों द्वारा पराली जलाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे किसान जागरूक हो रहे हैं। मगर कुछ किसान अभी भी अगली फसल जल्द लेने के लालच में पराली जला रहे हैं। हालांकि विवि की तरफ से इस बारे में लगातार किसानों को जागरूक किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक जागरण....

दिनांक ..1.:.11.:.2020....पृष्ठ संख्या......................कॉलम......................

हरियाणा दिवस प्रो. समर सिंह ने कहा- पंजाब से अलग होते समय प्रदेश में 2.59 था खाद्यान्न, अब 17.86 मिलियन टन पहुंचा

विज्ञानियों ने नई किस्में दीं, किसानों ने बहाया पसीना

जागरण संवाददाता, हिसार : 1966 में जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो खाद्यान्न उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया। अब 2019-20 में यह 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान्न उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा कृषि विवि के विज्ञानियों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें ईजाद करना, अथक प्रयासों, लगन, दूरगामी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है।

कुलपति प्रो. समर सिंह। • जागरण

चावल उत्पादन में भी हुई रिकार्ड बढ़ोतरी

इसी प्रकार वर्ष 1966-67 में प्रदेश में चावल का उत्पादन मात्र 11.61 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। वर्ष 2000-01 में 25.57 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 33.34 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन चावल का उत्पादन 27.05 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है, जबकि प्रदेश में चावल का औसतन उत्पादन 33.34 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। अब तक विश्वविद्यालय द्वारा चावल की 12 किस्में विकसित की गई हैं, जिनमें 11 किस्मों को प्रदेश व 1 किस्म को देशभर के लिए जारी किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो समर सिंह बताते हैं कि अन्य प्रदेशों की तुलना में हरियाणा का क्षेत्रफल बहुत ही छोटा है। वहीं देश के खाद्यान्न भंडारण व फसल उत्पादन में इसकी गिनती अग्रणी प्रदेशों में होती है। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भंडारण में प्रदेश का कुल भंडारण का 16 प्रतिशत है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता में हरियाणा देश में नंबर वन है।

60 फीसद बासमती का प्रदेश करता है उत्पादन : प्रो. सिंह बताते हैं कि हरियाणा देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है, जबकि कुल चावल उत्पादन में हम दूसरे स्थान पर हैं। दलहन व तिलहनी फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है।

16 फीसद पूरे देश के खाद्यान्न में से हरियाणा में

पिछले 20 वर्षों में गेहूं व चावल के उत्पादन में रिकार्ड वृद्धि हुई है। वर्ष 1966-67 में प्रदेश में गेहूं का उत्पादन मात्र 14.25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। वर्ष 2000-01 में यह 41.06 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 46.87 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। मौजूदा समय में विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यूएच 1187 व डब्ल्यूएच 1105 जैसी उन्नत किस्में विकसित की हैं जिनका उत्पादन प्रति हेक्टेयर 61.2 क्विंटल से 71.6 क्विंटल तक आंका गया है। अब तक विश्वविद्यालय द्वारा गेहूं की 23 किस्मों को विकसित किया गया है जिनमें 14 किस्में राष्ट्रीय स्तर पर जबकि 9 किस्में प्रदेश स्तर के किसानों के लिए जारी की गई हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर....

दिनांक ..1..11..2020.... पृष्ठ संख्या......4............ कॉलम.........6-7.........

देश के खाद्यान भण्डारण को समृद्ध बनाने में एचएयू की भूमिका अहम : प्रो. समर

हिसार| जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। ये विचार एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे हरियाणा दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	**01.11.2020**	——	--

हिसार sachkahoon.com सरसा, रविवार, 1 नवंबर 2020 epaper.sachkahoon.com

हरियाणा दिवस पर किसानों से किया आह्वान, अधिक से अधिक विश्वविद्यालय की नई तकनीकों व फसलों की किस्मों का उठाएं लाभ

देश के खाद्यान भंडार को समृद्ध बनाने में एचएयू की अहम भूमिका: प्रोफेसर समर सिंह

- विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व प्रदेश के किसानों के सहयोग का ही नतीजा

हिसार (सच कहूं ब्यूरो)।

जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, अथक प्रयासों, लगन, दूरगामी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे हरियाणा दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे।

उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के खाद्यान भण्डारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। हरियाणा प्रदेश गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता में देश में नंबर वन है। अकेला हरियाणा प्रदेश देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है जबकि कुल चावल उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि दलहन व तिलहनी फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने प्रदेश के किसानों से आह्वान किया है कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित आधुनिक तकनीकों व विभिन्न फसलों की किस्मों का लाभ उठाएं।

उन्नत किस्मों व आधुनिक तकनीकों से प्रदेश का किसान हो रहा है समृद्ध

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि पिछले 20 वर्षों में गेहू व चावल के उत्पादन में रिकार्ड वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों व आधुनिक तकनीकों से प्रदेश का किसान समृद्ध और खुशहाल हो रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1966-67 में प्रदेश में गेहू का उत्पादन मात्र 14.25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 41.06 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 46.87 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन गेहूं का उत्पादन 34.21 क्विंटल प्रति हेक्टेयर आंका गया है जबकि प्रदेश में गेहू का औसतन उत्पादन 46.87 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। मौजूदा समय में विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यूएच 1187 व डब्ल्यूएच 1105 जैसी उन्नत किस्में विकसित की हैं जिनका उत्पादन प्रति हेक्टेयर 61.2 क्विंटल से 71.6 क्विंटल तक आंका गया है। अब तक विश्वविद्यालय द्वारा गेहूं की 23 किस्मों को विकसित किया गया है जिनमें 14 किस्में राष्ट्रीय स्तर पर जबकि 9 किस्में प्रदेश स्तर के किसानों के लिए जारी की गई हैं। इसी प्रकार बाजरे की 21, जौ की 8 किस्में, मक्का की 15, दलहन की 36, तिलहन की 29, कपास की 24, चारा की 34, गन्ने की 8, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की 8, सब्जियों की 27 और बागवानी की 4 किस्में विकसित की हैं।

चावल उत्पादन में भी हुई रिकार्ड बढ़ोतरी

पत्रकारों से रूबरू होते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारी।

इसी प्रकार वर्ष 1966-67 में प्रदेश में चावल का उत्पादन मात्र 11.61 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 25.57 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 33.34 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन चावल का उत्पादन 27.05 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है जबकि प्रदेश में चावल का औसतन उत्पादन 33.34 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। अब तक विश्वविद्यालय द्वारा चावल की 12 किस्में विकसित की गई हैं जिनमें 11 किस्मों को प्रदेश व 1 किस्म को देशभर के लिए जारी किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	**01.11.2020**	——	--

रविवार ● 01.11.2020
www.hrbreakingnews.com
हरियाणा

देश के खाद्यान भण्डारण को समृद्ध बनाने में एचएयू की भूमिका अहम : प्रोफेसर समर सिंह

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, अथक प्रयासों, लगन, दूरगामी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे हरियाणा दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के खाद्यान भण्डारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। आज हरियाणा प्रदेश गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता में देश में नंबर वन है। अकेला हरियाणा प्रदेश देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है जबकि कुल चावल उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि दलहन व तिलहनी फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने प्रदेश के किसानों से आह्वान किया है कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित आधुनिक तकनीकों व विभिन्न फसलों की किस्मों का लाभ उठाएं।

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व प्रदेश के किसानों के सहयोग का ही नतीजा

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पत्रकारों से रुबरु होत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारी।

उन्नत किस्मों व आधुनिक तकनीकों से प्रदेश का किसान हो रहा है समृद्ध

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि पिछले 20 वर्षों में गेहूं व चावल के उत्पादन में रिकार्ड वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों व आधुनिक तकनीकों से प्रदेश का किसान समृद्ध और खुशहाल हो रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1966-67 में प्रदेश में गेहूं का उत्पादन मात्र 14.25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 41.06 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 46.87 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन गेहूं का उत्पादन 34.21 क्विंटल प्रति हेक्टेयर आंका गया है जबकि प्रदेश में गेहूं का औसतन उत्पादन 46.87 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। मौजूदा समय में विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यूएच 1187 व डब्ल्यूएच 1105 जैसी उन्नत किस्में विकसित की हैं जिनका उत्पादन प्रति हेक्टेयर 61.2 क्विंटल से 71.6 क्विंटल तक आंका गया है। अब तक विश्वविद्यालय द्वारा गेहूं की 23 किस्मों को विकसित किया गया है जिनमें 14 किस्में राष्ट्रीय स्तर पर जबकि 9 किस्में प्रदेश स्तर के किसानों के लिए जारी की गई हैं। इसी प्रकार बाजरे की 21, जौ की 8 किस्में, मक्का की 15, दलहन की 36, तिलहन की 29, कपास की 24, चारा की 34, गन्ने की 8, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की 8, सब्जियों की 27 और बागवानी की 4 किस्में विकसित की हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**31.10.2020**	——	--

देश के खाद्यान भण्डारण को समृद्ध बनाने में एचएयू की भूमिका अहम : समर सिंह

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, अथक प्रयासों, लगन, दूरगामी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे हरियाणा दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के खाद्यान भण्डारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। आज हरियाणा प्रदेश गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता में देश में नंबर वन है। अकेला हरियाणा प्रदेश देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है जबकि कुल चावल उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि दलहन व तिलहनी फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है।

हिसार। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पत्रकारों से रूबरू होत कुलपति समर सिंह व अन्य अधिकारी।

कुलपति ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए आगे बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों की 250 नई व उन्नत किस्में विकसित की हैं जो रोग प्रतिरोधी व अधिक पैदावार देने वाली हैं। अब तक 533 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमओयू साइन हो चुके हैं। अभी तक विश्वविद्यालय को 17 पेटेंट, 5 कॉपीराइट और 2 डिजाइनों को स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा 49 पेटेंट, 1 कॉपीराइट व 2 डिजाइन विश्वविद्यालय की ओर से स्वीकृति के लिए अप्लाई किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कारों से भी नवाजा जा चुका है। इनमें से देश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा मिली प्रथम राष्ट्रीय पुरस्कार व हाल ही में विश्वविद्यालय को मिली प्रथम अटल रैंकिंग शामिल हैं। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**31.10.2020**	––	--

हरियाणा दिवस पर किसानों से किया आह्वान, विश्वविद्यालय की नई तकनीकों व फसलों की किस्मों का उठाएं लाभ

देश के खाद्यान भण्डारण को समृद्ध बनाने में एचएयू की भूमिका अहम : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, अथक प्रयासों, लगन, दूरगामी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे हरियाणा दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के खाद्यान भण्डारण व फसल उत्पादन में अपनी प्रदेशें में है। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। आज हरियाणा प्रदेश गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता में देश में नंबर वन है। अकेला हरियाणा प्रदेश देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है जबकि कुल चावल उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि दलहन व तिलहनी फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने प्रदेश के किसानों से आह्वान किया है कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित आधुनिक तकनीकों व विभिन्न फसलों की किस्मों का लाभ उठाएं।

उन्नत किस्मों व आधुनिक तकनीकों से प्रदेश का किसान हो रहा है समृद्ध

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि पिछले 20 वर्षों में गेहूं व चावल के उत्पादन में रिकार्ड वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों व आधुनिक तकनीकों से प्रदेश का किसान समृद्ध और खुशहाल हो रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1966-67 में प्रदेश में गेहूं का उत्पादन मात्र 14.25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 41.06 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 46.87 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन गेहूं का उत्पादन 34.21 क्विंटल प्रति हेक्टेयर आंका गया है जबकि प्रदेश में गेहूं का औसतन उत्पादन 46.87 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। मौजूदा समय में विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यूएच 1187 व डब्ल्यूएच 1105 जैसी उन्नत किस्में विकसित की हैं जिनका उत्पादन प्रति हेक्टेयर 61.2 क्विंटल से 71.6 क्विंटल तक आंका गया है। अब तक विश्वविद्यालय द्वारा गेहूं की 23 किस्में को विकसित किया गया है जिनमें 14 किस्में राष्ट्रीय स्तर पर जबकि 9 किस्में प्रदेश स्तर के किसानों के लिए जारी की गई हैं। इसी प्रकार बाजरे की 21, जौ की 8 किस्में, मक्का की 15, दलहन की 36, तिलहन की 29, कपास की 24, चारा की 34, गन्ने की 8, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की 8, सब्जियों की 27 और बागवानी की 4 किस्में विकसित की हैं।

चावल उत्पादन में भी हुई रिकार्ड बढ़ोतरी

इसी प्रकार वर्ष 1966-67 में प्रदेश में चावल का उत्पादन मात्र 11.61 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 25.57 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 33.34 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन चावल का उत्पादन 27.05 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है जबकि प्रदेश में चावल का औसतन उत्पादन 33.34 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। अब तक विश्वविद्यालय द्वारा चावल की 12 किस्में विकसित की गई हैं जिनमें 11 किस्मों को प्रदेश व 1 किस्म को देशभर के लिए जारी किया गया है।

ये रही विश्वविद्यालय की उपलब्धियां

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए आगे बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों की 250 नई व उन्नत किस्में विकसित की हैं जो रोग प्रतिरोधी व अधिक पैदावार देने वाली हैं। अब तक 533 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमओयू साइन हो चुके हैं। अभी तक विश्वविद्यालय को 17 पेटेंट, 5 कॉपीराइट और 2 डिजाइनों को स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा 49 पेटेंट, 1 कॉपीराइट व 2 डिजाइन विश्वविद्यालय की ओर से स्वीकृति के लिए अप्लाई किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कारों से भी नवाजा जा चुका है। इनमें से देश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा मिली प्रथम राष्ट्रीय पुरस्कार व हाल ही में विश्वविद्यालय को मिली प्रथम अटल रैंकिंग शामिल हैं।

महिलाओं, युवाओं व किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत है विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय ग्रामीण व शहरी महिलाओं, युवाओं व प्रदेश के किसानों को स्वावलम्बी, समृद्ध और आर्थिक रूप से संपन्न बनाने की दिशा में प्रयासरत है। इसमें महिलाओं के लिए गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा विभिन्न प्रकार के कोर्स व सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान द्वारा कराए जाने वाले कोर्स व प्रशिक्षण शामिल हैं। इसी प्रकार विश्वविद्यालय में कृषि अवशेष प्रबंधन हेतु नवाचार केंद्र स्थापित किया गया है, जिसके शुरू होने के बाद बायोगैस व सीएनजी गैस के साथ-साथ कृषि अवशेषों से खाद व बिजली उत्पादन भी शुरू हो जाएगा। दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र भी जैविक खेती की दिशा में अहम भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय ने उत्तर भारत के एकमात्र व देश के दूसरे एग्री बिजनेस सेंटर की शुरूआत की है, जिसमें कोई भी किसान, युवा, गृहिणी, विद्यार्थी इत्यादि कृषि व कृषि से संबंधित इनोवेटिव आइडिया को लेकर इस केंद्र के माध्यम से अपना व्यवसाय स्थापित कर सकता है। फसल विविधिकरण, कृषि वैज्ञानिकों की सलाह व बेहतर तकनीकों को अपनाकर किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। बागवानी, कृषि वानिकी, मधुमक्खी पालन, पुष्प उत्पादन, पशुपालन मुर्गीपालन, खुम्ब उत्पादन, मत्स्य पालन, केंचुआ खाद उत्पादन इत्यादि व्यवसाय अपनाकर किसान छोटी जोत होते हुए भी अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। उक्त किस्मों के बीजों के प्रयोग, बीज उपचार, जैविक खाद, समन्वित कीट प्रबंधन, समन्वित खाद प्रबंधन, जैविक खेती एवं रासायनिक उर्वरकों के कम इस्तेमाल से किसान खेती में होने वाले खर्चे को कम करके आर्थिक रूप से ज्यादा समृद्ध हो सकते हैं। इसी प्रकार महिलाओं के लिए विश्वविद्यालय के प्रत्येक जिले में स्थापित कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से सिलाई-कढ़ाई, डेयरी फार्मिंग, फल व सब्जी इत्यादि को लेकर दिए जाने वाले प्रशिक्षण के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार स्थापित कर अपनी आजीविका चला सकती हैं। खेती से जुड़ी समस्याओं के निदान के लिए विश्वविद्यालय की निःशुल्क दूरभाष सेवा व मौसम से संबंधित जानकारी के लिए ई-मौसम के माध्यम से देश व प्रदेश के लाखों किसान लाभ उठा रहे हैं।

ये भी रहे मौजूद

इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**31.10.2020**	——	--

देश के खाद्यान भण्डारण को समृद्ध बनाने में हकृवि की अहम भूमिका : प्रो. समर सिंह

हरियाणा दिवस पर किसानों से किया आह्वान, अधिक से अधिक विश्वविद्यालय की नई तकनीकों व फसलों की किस्मों का उठाएं लाभ

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढ?र 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, अथक प्रयासों, लगन, दूरगामी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे हरियाणा दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के खाद्यान भण्डारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। आज हरियाणा प्रदेश गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता में देश में नंबर वन है। अकेला हरियाणा प्रदेश देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है जबकि कुल चावल उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि दलहन व तिलहनी फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने प्रदेश के किसानों से आह्वान किया है कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित आधुनिक तकनीकों व विभिन्न फसलों की किस्मों का लाभ उठाएं। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव आदि मौजूद रहे।

उन्नत किस्मों व आधुनिक तकनीकों से प्रदेश का किसान हो रहा है समृद्ध

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि पिछले 20 वर्षों में गेहूं व चावल के उत्पादन में रिकार्ड वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों व आधुनिक तकनीकों से प्रदेश का किसान समृद्ध और खुशहाल हो रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1966-67 में प्रदेश में गेहूं का उत्पादन मात्र 14.25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 41.06 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 46.87 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन गेहूं का उत्पादन 34.21 क्विंटल प्रति हेक्टेयर आंका गया है जबकि प्रदेश में गेहूं का औसतन उत्पादन 46.87 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। मौजूदा समय में विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यूएच 1187 व डब्ल्यूएच 1105 जैसी उन्नत किस्में विकसित की हैं जिनका उत्पादन प्रति हेक्टेयर 61.2 क्विंटल से 71.6 क्विंटल तक आंका गया है। इसी प्रकार वर्ष 1966-67 में प्रदेश में चावल का उत्पादन मात्र 11.61 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 25.57 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 33.34 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन चावल का उत्पादन 27.05 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है जबकि प्रदेश में चावल का औसतन उत्पादन 33.34 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**31.10.2020**	——	--

हरियाणा में खाद्यान उत्पादन रिकॉर्ड 17.86 मिलियन टन पहुंचा : कुलपति

हिसार/31 अक्टूबर/रिपोर्टर

जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, अथक प्रयासों, लगन, दूरगामी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने हरियाणा

दिवस की पूर्व संध्या पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हरियाणा क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के खाद्यान भण्डारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। आज हरियाणा गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता में देश में नंबर वन है। अकेला हरियाणा देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है जबकि कुल चावल उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि दलहन व तिलहनी फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है। कुलपति ने बताया कि पिछले 20 वर्षों में गेहूं व चावल के उत्पादन में रिकार्ड वृद्धि हुई है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों की 250 नई व उन्नत किस्में विकसित की हैं जो रोग प्रतिरोधी व अधिक पैदावार देने वाली हैं। अब तक 533 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमओयू साइन हो चुके हैं। अभी तक विश्व विद्यालय को 17 पेटेंट, 5 कॉपीराइट और 2 डिजाइनों को स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा 49 पेटेंट, 1 कॉपीराइट व 2 डिजाइन विश्वविद्यालय की ओर से स्वीकृति के लिए अप्लाई किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कारों से भी नवाजा जा चुका है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	**31.10.2020**	——	--

अजीत समाचार बठिंडा

देश के खाद्यान भंडारण को समृद्ध बनाने में एचएयू की भूमिका अहम : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व प्रदेश के किसानों के सहयोग का ही नतीजा

हिसार : पत्रकारों से रुबरु होते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारी। (छाया : राज पराशर)

हिसार, 31 अक्तूबर (राज पराशर) : जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, अथक प्रयासों, लग्न, दूरगामी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे हरियाणा दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भंडारण में प्रदेश का कुल भंडारण का 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। आज हरियाणा प्रदेश गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता में देश में नंबर वन है। अकेला हरियाणा प्रदेश देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है, जबकि कुल चावल उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि दलहन व तिलहनी फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने प्रदेश के किसानों से आह्वान किया है कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित आधुनिक तकनीकों व विभिन्न फसलों की किस्मों का लाभ उठाएं। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	**31.10.2020**	——	--

देश के खाद्यान भण्डारण को समृद्ध बनाने में एचएयू की भूमिका अहम : प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व प्रदेश के किसानों के सहयोग का ही नतीजा

हरियाणा दिवस पर किसानों से किया आह्वान, अधिक से अधिक विश्वविद्यालय की नई तकनीकों व फसलों की किस्मों का उठाएं लाभ

टुडे न्यूज | हिसार

जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है।

प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, अथक प्रयासों, लगन, दूरगामी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे हरियाणा दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के खाद्यान भण्डारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। आज हरियाणा प्रदेश गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता में देश में नंबर वन है। अकेला हरियाणा प्रदेश देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है जबकि कुल चावल उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि दलहन व तिलहनी फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने प्रदेश के किसानों से आह्वान किया है कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित आधुनिक तकनीकों व विभिन्न फसलों की किस्मों का लाभ उठाएं। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि पिछले 20 वर्षों में गेहूं व चावल के उत्पादन में रिकार्ड वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों व आधुनिक तकनीकों से प्रदेश का किसान समृद्ध और खुशहाल हो रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1966-67 में प्रदेश में गेहूं का उत्पादन मात्र 14.25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 41.06 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 46.87 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन गेहूं का उत्पादन 34.21 क्विंटल प्रति हेक्टेयर आंका गया है जबकि प्रदेश में गेहूं का औसतन उत्पादन 46.87 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। मौजूदा समय में विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यूएच 1187 व डब्ल्यूएच 1105 जैसी उन्नत किस्में विकसित की हैं जिनका उत्पादन प्रति हेक्टेयर 61.2 क्विंटल से 71.6 क्विंटल तक आंका गया है। अब तक विश्वविद्यालय द्वारा गेहूं की 23 किस्मों को विकसित किया गया है जिनमें 14 किस्में राष्ट्रीय स्तर पर जबकि 9 किस्में प्रदेश स्तर के किसानों के लिए जारी की गई हैं। इसी प्रकार बाजरे की 21, जौ की 8 किस्में, मक्का की 15, दलहन की 36, तिलहन की 29, कपास की 24, चारा की 34, गन्ने की 8, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की 8, सब्जियों की 27 और बागवानी की 4 किस्में विकसित की हैं।

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पत्रकारों से रूबरू होते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारी।

चावल उत्पादन में भी हुई रिकार्ड बढ़ोतरी

इसी प्रकार वर्ष 1966-67 में प्रदेश में चावल का उत्पादन मात्र 11.61 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 25.57 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 33.34 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन चावल का उत्पादन 27.05 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है जबकि प्रदेश में चावल का औसतन उत्पादन 33.34 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। अब तक विश्वविद्यालय द्वारा चावल की 12 किस्में विकसित की गई हैं जिनमें 11 किस्मों को प्रदेश व 1 किस्म को देशभर के लिए जारी किया गया है।

ये रही विश्वविद्यालय की उपलब्धियां

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए आगे बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों की 250 नई व उन्नत किस्में विकसित की हैं जो रोग प्रतिरोधी व अधिक पैदावार देने वाली हैं। अब तक 533 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमओयू साइन हो चुके हैं। अभी तक विश्वविद्यालय को 17 पेटेंट, 5 कॉपीराइट और 2 डिजाइनों को स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा 49 पेटेंट, 1 कॉपीराइट व 2 डिजाइन विश्वविद्यालय की ओर से स्वीकृति के लिए अप्लाई किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कारों से भी नवाजा जा चुका है।

महिलाओं, युवाओं व किसानों के उत्थान के लिए

विश्वविद्यालय ग्रामीण व शहरी महिलाओं, युवाओं व प्रदेश के किसानों को स्वावलम्बी, समृद्ध और आर्थिक रूप से संपन्न बनाने की दिशा में प्रयासरत है। इसमें महिलाओं के लिए गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा विभिन्न प्रकार के कोर्स व सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान द्वारा कराए जाने वाले कोर्स व प्रशिक्षण शामिल हैं। इसी प्रकार विश्वविद्यालय में कृषि अवशेष प्रबंधन हेतु नवाचार केंद्र स्थापित किया गया है, जिसके शुरू होने के बाद बायोगैस व सीएनजी गैस के साथ-साथ कृषि अवशेषों से खाद व बिजली उत्पादन भी शुरू हो जाएगा। दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र भी जैविक खेती की दिशा में अहम भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय ने उत्तर भारत के एकमात्र व देश के दूसरे एग्री बिजनेस सेंटर की शुरूआत की है, जिसमें कोई भी किसान, युवा, गृहिणी, विद्यार्थी इत्यादि कृषि व कृषि से संबंधित इनोवेटिव आइडिया को लेकर इस केंद्र के माध्यम से अपना व्यवसाय स्थापित कर सकता है। फसल विविधिकरण, कृषि वैज्ञानिकों की सलाह व बेहतर तकनीकों को अपनाकर किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। बागवानी, कृषि वानिकी, मधुमक्खी पालन, पुष्प उत्पादन, पशुपालन, मुर्गीपालन, खुम्ब उत्पादन, मत्स्य पालन, केंचुआ खाद उत्पादन इत्यादि व्यवसाय अपनाकर किसान छोटी जोत होते हुए भी अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। उन्नत किस्मों के बीजों के प्रयोग, बीज उपचार, जैविक खाद, समन्वित कीट प्रबंधन, समन्वित खाद प्रबंधन, जैविक खेती एवं रासायनिक उर्वरकों के कम इस्तेमाल से किसान खेती में होने वाले खर्चे को कम करके आर्थिक रूप से ज्यादा समृद्ध हो सकते हैं। इसी प्रकार महिलाओं के लिए विश्वविद्यालय के प्रत्येक जिले में स्थापित कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से सिलाई-कढ़ाई, डेयरी फार्मिंग, फल व सब्जी इत्यादि को लेकर दिए जाने वाले प्रशिक्षण के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार स्थापित कर अपनी आजीविका चला सकती हैं। खेती से जुड़ी समस्याओं के निदान के लिए विश्वविद्यालय की निःशुल्क दूरभाष सेवा व मौसम से संबंधित जानकारी के लिए ई-मौसम के माध्यम से देश व प्रदेश के लाखों किसान लाभ उठा रहे हैं।

ये भी रहे मौजूद : इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**31.10.2020**	——	--

देश के खाद्यान भण्डारण को समृद्ध बनाने में एचएयू की भूमिका अहम-प्रोफेसर समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 1 नवम्बर : जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढकर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढकर 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, अथक प्रयासों, लगन, दूरगामी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे हरियाणा दिवस पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए आगे बताया कि विश्वविद्यालय की

स्थापना से लेकर अब तक विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों की 250 नई व उन्नत किस्में विकसित की हैं जो रोग प्रतिरोधी व अधिक पैदावार देने वाली हैं। अब तक 533 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमओयू साइन हो चुके हैं। अभी तक विश्वविद्यालय को 17 पेटेंट, 5 कॉपीराइट और 2 डिजाइनों को स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा 49 पेटेंट, 1 कॉपीराइट व 2 डिजाइन विश्वविद्यालय की ओर से स्वीकृति के लिए अप्लाई किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कारों से भी नवाजा जा चुका है। इनमें से देश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों मे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा मिली प्रथम राष्ट्रीय पुरस्कार व हाल ही में विश्वविद्यालय को मिली प्रथम अटल रैंकिंग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के खाद्यान भण्डारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। आज हरियाणा प्रदेश गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता में देश में नंबर वन है। अकेला हरियाणा प्रदेश देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है जबकि कुल चावल उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि दलहन व तिलहनी फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने प्रदेश के किसानों से आह्वान किया है कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित आधुनिक तकनीकों व विभिन्न फसलों की किस्मों का लाभ उठाएं। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि पिछले 20 वर्षों में गेहूं व चावल के उत्पादन में रिकार्ड वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों व आधुनिक तकनीकों से प्रदेश का किसान समृद्ध और खुशहाल हो रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगत क्रान्ति	**31.10.2020**	——	--

देश के खाद्यान भंडारण को समृद्ध बनाने में एचएयू की भूमिका अहम : प्रो. समर सिंह

हिसार/विनोद गांधी

जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, अथक प्रयासों, लगन, दूरगामी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे हरियाणा दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के खाद्यान भण्डारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। आज हरियाणा प्रदेश गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता में देश में नंबर वन है। अकेला हरियाणा प्रदेश देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है जबकि कुल चावल उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि दलहन व तिलहनी फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने प्रदेश के किसानों से आह्वान किया है कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित आधुनिक तकनीकों व विभिन्न फसलों की किस्मों का लाभ उठाएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 1.11.2020 पृष्ठ संख्या 6 कॉलम 1-4

मिशन एडमिशन • विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए

एचएयू में बीएससी एग्रीकल्चर की 50 और होम साइंस की 90 सीटों के लिए 3424 ने दी परीक्षा

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था।

उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनिटाइज कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया। इसके अलावा सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद फेस मास्क मुहैया करवाए गए, ताकि कोरोना के खतरे से निपटने के लिए सतर्कता बरती जा सके। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट आयोजित की गई।

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज परीक्षा केंद्र पर जायजा लेते हुए।

परीक्षा केंद्रों का किया दौरा

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा क्र परीक्षाओं का जायजा लिया। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने परीक्षाओं के शांतिपूर्वक सफल आयोजन के लिए स्टाफ सदस्यों व विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की। इससे पहले भी विश्वविद्यालय की ओर से कोरोना महामारी के चलते स्नातकोत्तर एवं पीएचडी कोर्सों व बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए भी प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 1729 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 सीटें जबकि बीएससी होम साइंस के लिए 90 सीटें निर्धारित की गई हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......पंजाब केसरी......

दिनांक ..1..11..2020....पृष्ठ संख्या......2..........कॉलम.....3-8......

3424 परीक्षार्थियों ने दी बी.एससी. एग्रीकल्चर व होम साइंस के लिए प्रवेश परीक्षा

■ कोरोना महामारी के चलते 1867 नहीं पहुंचे परीक्षा केन्द्रों पर

हिसार, 31 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बी.एससी. एग्रीकल्चर के 6 वर्षीय व होम साइंस के 4 वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी, जबकि 1867 परीक्षार्थी कोरोना महामारी के चलते अनुपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बी.एससी. एग्रीकल्चर 6 वर्षीय व होम साइंस के 4 वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट आयोजित की गई।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज परीक्षा केंद्र पर जायजा लेते हुए।

कुलपति व कुलसचिव ने किया दौरा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर जायजा लिया। कुलपति ने परीक्षाओं के शांतिपूर्वक सफल आयोजन के लिए स्टाफ सदस्यों व विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की। इससे पहले भी विश्वविद्यालय की ओर से कोरोना महामारी के चलते स्नातकोत्तर एवं पी.एचडी. कोर्सों व बी.एससी. एग्रीकल्चर के 4 वर्षीय कोर्स के लिए भी प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। शनिवार को यह परीक्षाओं का अंतिम चरण था। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने परीक्षार्थियों व अभिभावकों से अपील की कि वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर निरंतर चैक करते रहें।

बी.एससी. एग्रीकल्चर की 50 व होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई परीक्षा

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बी.एससी. एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने बी.एससी. होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के 4 वर्षीय प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि बी.एससी. एग्रीकल्चर के 6 वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 1729 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बी.एससी. होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के 4 वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक ..1.11.2020.... पृष्ठ संख्या.......3....... कॉलम......4-8......

शिक्षा

बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित की गई थी परीक्षा

एचएयू में 3424 ने दी प्रवेश परीक्षा, 1867 रहे गैरहाजिर

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी, जबकि 1867 अनुपस्थित रहे। 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। परीक्षा सुबह 10:30 से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित की गई। परीक्षार्थियों के मोबाइल से लेकर दूसरे सामान केंद्र के बाहर जमा करा लिए गए। इसके साथ ही बिना मास्क के किसी को भी परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं थी।

कुलसचिव डा. बीआर कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार किया गया है। कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। इसके साथ उड़नदस्तों ने परीक्षा केंद्रों का दौरा भी किया।

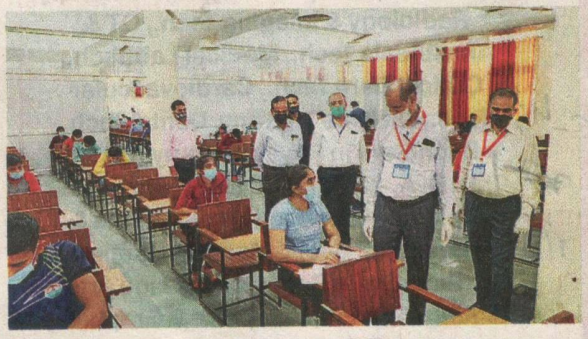

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र में व्यवस्थाएं देखते कुलपति प्रो. समर सिंह, कुलसचिव डा. बीआर कंबोज व अन्य। • विज्ञप्ति

परीक्षा परिणाम एचएयू की वेबसाइट पर देखें: परीक्षा नियंत्रक डा. एसके पाहुजा ने परीक्षार्थियों व अभिभावकों से अपील की कि वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर निरंतर देखते रहें।

बीएससी एग्रीकल्चर की 50 व होम साइंस की 90 सीटों के लिए परीक्षा

इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 1729 अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, वही 138 अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50, जबकि बीएससी होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 90 सीटें निर्धारित की गई हैं।

यह बनाए थे परीक्षा केंद्र

इन प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के 11 जगह में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, कैंपस स्कूल के अलावा ठाकुर दास भार्गव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीआर पब्लिक स्कूल, विद्या भारती पब्लिक स्कूल, विश्वास वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, न्यू यशोदा पब्लिक स्कूल व एफसी महिला महाविद्यालय शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 1.11.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5-6.....

एचएयू में 3424 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी, जबकि 1867 अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट आयोजित की गई। सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सैनिटाइज करवाने के बाद फेस मास्क उपलब्ध कराए गए। कुलपति प्रो. समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

परीक्षा केंद्र का जायजा लेते कुलपति व अन्य।

बीएससी एग्रीकल्चर की 50 व होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई परीक्षा

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने बीएससी होम साइंस में कम्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 1729 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। बीएससी होम साइंस में कम्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स की 50 और बीएससी होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 90 सीटें हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	**01.11.2020**	——	--

एचएयू में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित की गई थी परीक्षा

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया। इसके अलावा सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद फेस मास्क मुहैया करवाए गए, ताकि कोरोना के खतरे से निपटने के लिए सतर्कता बरती जा सके। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट आयोजित की गई।

बीएससी की 50 जबकि होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई प्रवेश परीक्षा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज परीक्षा केंद्र पर जायजा लेते हुए।

विश्वविद्यालय के कुलपति व कुलसचिव ने किया परीक्षा केंद्रों का दौरा : विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर परीक्षाओं का जायजा लिया। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने परीक्षाओं के शांतिपूर्वक सफल आयोजन के लिए स्टाफ सदस्यों व विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की। इससे पहले भी विश्वविद्यालय की ओर से कोरोना महामारी के चलते स्नातकोत्तर एवं पीएचडी कोर्सों व बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए भी प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। शनिवार को यह परीक्षाओं का अंतिम चरण था। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने परीक्षार्थियों व अभिभावकों से अपील की कि वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की चेक करते रहें।

बीएससी एग्रीकल्चर की 50 व होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई परीक्षा : परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 1729 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 सीटें जबकि बीएससी होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 90 सीटें निर्धारित की गई हैं। इन प्रवेश परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के 11 जगह में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, कैंपस स्कूल के अलावा ठाकुर दास भार्गव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीआर पब्लिक स्कूल, विद्या भारती पब्लिक स्कूल, विश्वास वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, न्यू यशोदा पब्लिक स्कूल व एफ.सी. महिला महाविद्यालय शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	**01.11.2020**	——	--

परीक्षा | बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित की गई थी परीक्षा

कृषि विश्वविद्यालय में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

- बीएससी की 50 जबकि होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई प्रवेश परीक्षा

हिसार (सच कहूँ ब्यूरो)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया। इसके अलावा सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद फेस मास्क मुहैया करवाए गए, ताकि कोरोना के खतरे से निपटने के लिए सतर्कता बरती जा सके। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट आयोजित की गई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज परीक्षा केंद्र पर जायजा लेते हुए।

कुलपति व कुलसचिव ने किया परीक्षा केंद्रों का दौरा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर परीक्षाओं का जायजा लिया। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने परीक्षाओं के शांतिपूर्वक सफल आयोजन के लिए स्टाफ सदस्यों व विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की। इससे पहले भी विश्वविद्यालय की ओर से कोरोना महामारी के चलते स्नातकोत्तर एवं पीएचडी कोर्सों व बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए भी प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। शनिवार को यह परीक्षाओं का अंतिम चरण था। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने परीक्षार्थियों व अभिभावकों से अपील की कि वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट http://admissions.hau.ac.in/ पर निरंतर चेक करते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	**31.10.2020**	——	--

एचएयू में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

बीएससी एग्रीकल्चर के 6 वर्षीय व होम साइंस के 4 वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित की गई थी परीक्षा

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज परीक्षा केंद्र पर जायजा लेते हुए।

विश्वविद्यालय के कुलपति व कुलसचिव ने किया परीक्षा केंद्रों का दौरा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर परीक्षाओं का जायजा लिया। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने परीक्षाओं के शांतिपूर्वक सफल आयोजन के लिए स्टाफ सदस्यों व विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की। इससे पहले भी विश्वविद्यालय की ओर से कोरोना महामारी के चलते स्नातकोत्तर एवं पीएचडी कोर्सों व बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए भी प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। शनिवार को यह परीक्षाओं का अंतिम चरण था। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने परीक्षार्थियों व अभिभावकों से अपील की कि वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट इसद्रद्रह्यह्यद्रशह्ह्य.ढ्इह.इष्.द्रठ इठ्स ढ्इह.इष्.द्रठ पर निरंतर चेक करते रहें।

बीएससी एग्रीकल्चर की 50 व होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई परीक्षा

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 1729 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल[illegible] छह वर्षीय कोर्स के लिए 5[illegible] बीएससी [illegible] के चार वर्षीय कोर्स के [illegible] की इन प्रवेश परीक्षाओं के [illegible] ए वि[illegible] सहित शहर के 11 जगह [illegible] जाए गए है[illegible]

4/6

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**31.10.2020**	——	--

एचएयू में दाखिले के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

बीएससी एग्रीकल्चर की 50 जबकि होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई प्रवेश परीक्षा

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया। इसके अलावा सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद फेस मास्क मुहैया करवाए गए, ताकि कोरोना के खतरे से निपटने के लिए सतर्कता बरती जा सके। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट आयोजित की गई।

विश्वविद्यालय के कुलपति व कुलसचिव ने किया परीक्षा केंद्रों का दौरा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर परीक्षाओं का जायजा लिया। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने परीक्षाओं के शांतिपूर्वक सफल आयोजन के लिए स्टाफ सदस्यों व विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की। इससे पहले भी विश्वविद्यालय की ओर से कोरोना महामारी के चलते स्नातकोत्तर एवं पीएचडी कोर्सों व बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए भी प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। शनिवार को यह परीक्षाओं का अंतिम चरण था। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने परीक्षार्थियों व अभिभावकों से अपील की कि वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर निरंतर चेक करते रहें।

बीएससी एग्रीकल्चर की 50 व होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई परीक्षा

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 1729 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 सीटें जबकि बीएससी होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 90 सीटें निर्धारित की गई हैं। इन प्रवेश परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के 11 जगह में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, कैंपस स्कूल के अलावा ठाकुर दास भार्गव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीआर पब्लिक स्कूल, विद्या भारती पब्लिक स्कूल, विश्वास वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, न्यू यशोदा पब्लिक स्कूल व एफ.सी. महिला महाविद्यालय शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**31.10.2020**	——	--

एचएयू में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित की गई थी परीक्षा

बीएससी की 50 जबकि होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई प्रवेश परीक्षा

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया। इसके अलावा सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद फेस मास्क मुहैया करवाए गए, ताकि कोरोना के खतरे से निपटने के लिए सतर्कता बरती जा सके। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट आयोजित की गई।

विश्वविद्यालय के कुलपति व कुलसचिव ने किया परीक्षा केन्द्रों का दौरा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर परीक्षाओं का जायजा लिया। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने परीक्षाओं के शांतिपूर्वक सफल आयोजन के लिए स्टाफ सदस्यों व विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की। इससे पहले भी विश्वविद्यालय की ओर से कोरोना महामारी के चलते स्नातकोत्तर एवं पीएचडी कोर्सों व बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए भी प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। शनिवार को यह परीक्षाओं का अंतिम चरण था। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने परीक्षार्थियों व अभिभावकों से अपील की कि वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर निरंतर चेक करते रहें।

बीएससी एग्रीकल्चर की 50 व होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई परीक्षा

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 1729 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 सीटें जबकि बीएससी होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 90 सीटें निर्धारित की गई हैं। इन प्रवेश परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के 11 जगह में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, कैंपस स्कूल के अलावा ठाकुर दास भार्गव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीआर पब्लिक स्कूल, विद्या भारती पब्लिक स्कूल, विश्वास वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, न्यू यशोदा पब्लिक स्कूल व एफ.सी. महिला महाविद्यालय शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**31.10.2020**	——	--

एचएयू में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा, 1867 रहे अनुपस्थित

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 31 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया। इसके अलावा सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद फेस मास्क मुहैया करवाए गए, ताकि कोरोना के खतरे से निपटने के लिए सतर्कता बरती जा सके। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर परीक्षाओं का जायजा लिया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने परीक्षार्थियों व अभिभावकों से अपील की कि वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर निरंतर चेक करते रहें। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 1729 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 सीटें जबकि बीएससी होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 90 सीटें निर्धारित की गई हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**31.10.2020**	——	--

एचएयू में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

बीएससी की 50 जबकि होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई प्रवेश परीक्षा

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह जानकारी देते हुए कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर

के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर परीक्षाओं का जायजा लिया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस. के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 1729 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 सीटें जबकि बीएससी होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 90 सीटें निर्धारित की गई हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**31.10.2020**	——	--

हकृवि प्रवेश परीक्षा में बैठे 3424 विद्यार्थी

हिसार/31 अक्टूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की

समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सैनेटाइज कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर परीक्षाओं का जायजा लिया। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने परीक्षाओं के शांतिपूर्वक सफल आयोजन के लिए स्टाफ सदस्यों व विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने परीक्षार्थियों व अभिभावकों से अपील की कि वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्व विद्यालय की वेबसाइट पर निरंतर चेक करते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी नई दिल्ली	**01.11.2020**	——	--

एचएयू में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित की गई थी परीक्षा

हिसार, 31 अक्तूबर (राज पराशर) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया। इसके अलावा सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद फेस मास्क मुहैया करवाए गए, ताकि कोरोना के खतरे से निपटने के लिए सतर्कता बरती जा सके। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर परीक्षाओं का जायजा लिया। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने परीक्षाओं के शांतिपूर्वक सफल आयोजन के लिए स्टाफ सदस्यों व विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की। शनिवार को यह परीक्षाओं का अंतिम चरण था। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने परीक्षार्थियों व अभिभावकों से अपील की कि वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर निरंतर चेक करते रहें।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज परीक्षा केंद्र पर जायजा लेते हुए। (छाया : राज पराशर)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उत्तम हिन्दू	**31.10.2020**	——	--

एचएयू में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षाएं, 1867 रहे अनुपस्थित

हिसार/उत्तम हिन्दू न्यूज: हरियाणा में यहां स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और होम साइंस के चार वर्षीय पाठ्यक्रमों के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने आज प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉण् बीआर कम्बोज ने बताया कि दोनों पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र और राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया। सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज कराने के बाद फेस मास्क मुहैया कराए गये ताकि कोरोना के प्रति सतर्कता बरती जा सके। परीक्षा नियंत्रक डा. एस. के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए कुल 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था जिनमें से 5008 ने बीएससी एग्रीकल्चर और 283 बीएससी होम साइंस के थे। बीएससी एग्रीकल्चर के लिए 3279 परीक्षार्थी आये और 1729 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस के लिये 145 ने परीक्षा दी और 138 अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर के लिए 50 सीटें जबकि बीएससी होम साइंस के लिए 90 सीटें निर्धारित की गई हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	**31.10.2020**	——	--

एचएयू में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

- **बीएससी की 50 जबकि होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई प्रवेश परीक्षा**

हिसार, 31 अक्तूबर (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया। इसके अलावा सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सैनेटाइज करवाने के बाद फेस मास्क मुहैया करवाए गए, ताकि कोरोना के खतरे से निपटने के लिए सतर्कता बरती जा सके। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डा. बी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डा. बी.आर. कंबोज परीक्षा केंद्र पर जायजा लेते हुए।

इन सीटों के लिए हुई परीक्षा

परीक्षा नियंत्रक डा. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 1729 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगत क्रान्ति	**31.10.2020**	——	--

एचएयू में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

हिसार/विनोद गांधी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया। इसके अलावा सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद फेस मास्क मुहैया करवाए

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....हरि भूमि........

दिनांक ..2.11.2020.... पृष्ठ संख्या ......9...... कॉलम ......1-5......

हरियाणा दिवस पर आयोजित किया शिविर

रक्तदान से दे सकते दूसरों को जीवनदान : प्रो. समर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

रक्तदाता रक्तदान कर दूसरों को जीवन दान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। साथ ही अन्य लोगों को भी रक्तदान के प्रति जागरूक करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए।

वे श्री एसएस जैन सभा द्वारा हरियाणा दिवस पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्घाटन

मुख्यातिथियों ने जैन समाज की परंपरा रिबन खोलकर किया। इस दौरान रक्त एकत्रित करने के लिए लायन ब्लड बैंक दिल्ली से टीम पहुंची। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना काल में इस तरह का रक्तदान शिविर बड़ी सावधानी से आयोजित करना बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा एक वृतांत के माध्यम से जैन समाज के लोगों का समाज के उत्थान और जागरूकता लाने के लिए सहयोग के बारे में भी बताया। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह ने कहा कि दुर्घटना के समय कई बार पीड़ित को खून के अभाव में जान गंवानी पड़ जाती है। इसलिए एक स्वस्थ व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान अवश्य करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे स्वयं नियमित रूप से रक्तदान करते हैं। कार्यक्रम का संचालन श्री एसएस जैन सभा के सदस्य एवं एचएयू के वित नियंत्रक नवीन जैन ने किया। मेयर गौतम सरदाना ने इस तरह के सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए सभा की सराहना की। इस दौरान करीब 600 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करवाया है। उनका लक्ष्य अधिक से अधिक रक्तदान करवाना है ताकि जरूरतमंदों को रक्त की कमी नहीं रहे। कार्यक्रम में सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा गया। सभा के प्रधान प्रवीण जैन ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।

55 लोगों ने दिया रक्त

नारनौंद। हरियाणा दिवस पर दादा देवराज धर्मशाला में संत निरंकारी मिशन की ब्रांच नारनौंद ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। सिविल अस्पताल हिसार से डॉ इंदु यादव, मुकेश रोहिल्ला, रितु, अनील, कृष्ण मनोज तथा रेडक्रास के वेदप्रकाश की टीम ने शिविर में पहुंचकर 55 यूनिट रक्तदान लिया। शिविर का उद्घाटन एसडीएम विकास यादव ने किया। उन्होंने कहा कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है। यह किसी फैक्ट्री में तैयार नहीं हो सकता तथा किसी के भी जीवन को बचाने के लिए अति आवश्यक है। ऐसे में किसी व्यक्ति का किया गया रक्तदान महादान है। इस अवसर पर नगरपालिका चैयरमेन सुमेर लोहान, पार्षद प्रतिनिधि सुरेश सिंहमार, पार्षद सुनील वैरागी थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........

दिनांक 2.11.2020......पृष्ठ संख्या.......3.........कॉलम.......3-5.......

रक्तदान कर दे सकते हैं दूसरों को जीवनदान : प्रो. समर

हरियाणा दिवस के अवसर पर श्री एस.एस. जैन सभा ने लगाया रक्तदान शिविर

कार्यक्रम में मौजूद कुलपति प्रो. समर सिंह, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह व अन्य।

हिसार, 1 नवम्बर (ब्यूरो): रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदाता रक्तदान कर दूसरों को जीवनदान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। साथ ही अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने श्री एस.एस. जैन सभा द्वारा हरियाणा दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डा. जगबीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। इस दौरान रक्त एकत्रित करने के लिए लायन ब्लड बैंक दिल्ली से टीम आई हुई थी।

डा. जगबीर सिंह ने कहा कि दुर्घटना के समय कई बार पीड़ित को खून के अभाव में जान गंवानी पड़ जाती है। इसलिए एक स्वस्थ व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान अवश्य करते रहना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए एस.एस. जैन सभा के सदस्य एवं एच.ए.यू. के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने सभी का स्वागत करते हुए संस्था द्वारा किए जाने वाले सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस दौरान मेयर गौतम सरदाना ने इस तरह के सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए सभा की सराहना की और अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान करीब 600 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करवाया है। इस कार्यक्रम को आयोजित कराने में भारत विकास परिषद शाखा, रैजीडैंस वैल्फेयर एसोसिएशन पी.एल.ए., मुनि मायाराम धर्मार्थ अस्पताल शालीमार बाग दिल्ली का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम में डॉ. हरिदत्त कौशिक, तेरा पंथ जैन समाज के अध्यक्ष संजय जैन, गौरव जैन, डॉ. प्रदीप जैन, विजेंद्र जैन, राजेश जैन, मुकेश गोयल, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. रविंद्र ढिल्लों, भरत राम जैन, उपप्रधान दिनेश जैन, सुधीर जैन, कोषाध्यक्ष राकेश जैन, दीपक जैन, मीनू जैन, दीक्षा जैन, संतोष जैन, महिला प्रधान सुभाष कुमारी जैन सहित अन्य प्रमुख समाजसेवी लोग शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 2.11.2020 पृष्ठ संख्या 4 कॉलम 2-3

हम रक्तदान कर दे सकते दूसरों को जीवनदान : वीसी

हरियाणा दिवस के अवसर पर श्री एसएस जैन सभा की ओर से आयोजित किया रक्तदान शिविर

जागरण संवाददाता, हिसार : रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदाता रक्तदान कर दूसरों को जीवन दान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। साथ ही अन्य लोगों को भी रक्तदान के प्रति जागरूक करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे एसएस जैन सभा द्वारा हरियाणा दिवस पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यातिथियों ने जैन समाज की परंपरा अनुसार रिबन काटने की बजाय खोलकर किया। इस दौरान रक्त एकत्रित करने के लिए लायन ब्लड बैंक दिल्ली से टीम आई हुई थी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि मनुष्य जीवन में धन-दौलत व अन्य प्रकार के दान तो करता रहता है, लेकिन उसे रक्तदान भी अवश्य करना चाहिए, क्योंकि यह एक प्रकार से जीवनदान है। उन्होंने जैन सभा द्वारा आयोजित कैंप की सराहना करते हुए कहा कि कोरोना काल में इस तरह का रक्तदान शिविर आयोजित करना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। करीब 600 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करवाया है।

इस कार्यक्रम को आयोजित कराने में भारत विकास प्ररिषद शाखा, रेजीडेंस वेल्फेयर एसोसिएशन पीएलए, मुनि मायाराम धर्मार्थ हॉस्पिटल शालीमार बाग दिल्ली का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में डा. हरिदत्त कौशिक, तेरा पंथ जैन समाज के अध्यक्ष संजय जैन, गौरव जैन, डा. प्रदीप जैन, विजेंद्र जैन, राजेश जैन, मुकेश गोयल आदि शामिल रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........

दिनांक 2.11.2020....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

mycity

न्यूज कैप्सूल

रक्तदान कर दे सकते हैं दूसरों को जीवनदान

हिसार। रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदाता रक्तदान कर दूसरों को जीवन दान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वह श्री एसएस जैन सभा की तरफ से हरियाणा दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। इस अवसर पर सभा के प्रधान प्रवीण जैन, डॉ. हरिदत्त कौशिक, संजय जैन, गौरव जैन, डॉ. प्रदीप जैन, विजेंद्र जैन, राजेश जैन, मुकेश गोयल, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. रविंद्र ढिल्लो, भरत राम जैन, मीनू जैन, दीक्षा जैन, संतोष जैन, सुभाष कुमारी जैन आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**01.11.2020**	——	--

हरियाणा दिवस के अवसर पर श्री एस.एस. जैन सभा ने लगाया रक्तदान शिविर

पाठकपक्ष न्यूज, हिसार, 1 नवम्बर : रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदाता रक्तदान कर दूसरों को जीवन दान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे श्री एस.एस. जैन सभा द्वारा हरियाणा दिवस पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। इस दौरान करीब 600 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करवाया है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री एस.एस. जैन सभा के सदस्य एवं एचएयू के वित नियंत्रक नवीन जैन ने सभी का स्वागत किया। इस दौरान शहर के मेयर गौतम सरदाना ने अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करने का आहवान किया। इस कार्यक्रम को आयोजित कराने में भारत विकास परिषद शाखा, रेजीडेंस वेल्फेयर एसोसिएशन पीएलए, मुनि मायाराम धर्मार्थ हॉस्पिटल शालीमार बाग दिल्ली का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में डॉ. हरिदत्त कौशिक, तेग पंथ जैन समाज के अध्यक्ष संजय जैन, गौरव जैन, डॉ. प्रदीप जैन, विजेंद्र जैन, राजेश जैन, मुकेश गोयल, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. रविंद्र ढिल्लो, भरत राम जैन, उपप्रधान दिनेश जैन, सुधीर जैन, कोषाध्यक्ष राकेश जैन, दीपक जैन, मीनू जैन, दीक्षा जैन, संतोष जैन, महिला प्रधान सुभाष कुमारी जैन सहित अन्य प्रमुख समाजसेवी लोग शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	**02.11.2020**	——	--

हम रक्तदान कर दे सकते हैं दूसरों को जीवनदान : प्रोफेसर समर सिंह

हरियाणा दिवस के अवसर पर श्री एस.एस. जैन सभा की ओर से आयोजित किया रक्तदान शिविर

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदाता रक्तदान कर दूसरों को जीवन दान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए।

साथ ही अन्य लोगों को भी रक्तदान के प्रति जागरूक करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे श्री एस.एस. जैन सभा द्वारा हरियाणा दिवस पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यातिथियों ने जैन समाज की परंपरा अनुसार रिबन काटने की बजाय रिबन खोलकर किया। इस दौरान रक्त एकत्रित करने के लिए लायन ब्लड बैंक दिल्ली से टीम आई हुई थी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि मनुष्य जीवन में धन-दौलत व अन्य प्रकार के दान तो करता रहता है, लेकिन उसे रक्तदान भी अवश्य करना चाहिए क्योंकि यह एक प्रकार से जीवनदान है। उन्होंने जैन सभा द्वारा आयोजित कैंप की सराहना करते हुए कहा कि कोरोना काल में इस तरह का रक्तदान शिविर बड़ी सावधानी से आयोजित करना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा एक वृतांत के माध्यम से जैन समाज के लोगों का समाज के उत्थान और जागरूकता लाने के लिए सहयोग के बारे में भी बताया।

कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह व अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	**02.11.2020**	——	--

हम रक्तदान कर दे सकते हैं दूसरों को जीवनदान : प्रोफेसर समर सिंह

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदाता रक्तदान कर दूसरों को जीवन दान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। साथ ही अन्य लोगों को भी रक्तदान के प्रति जागरूक करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे श्री एस.एस. जैन सभा द्वारा हरियाणा दिवस पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यातिथियों ने जैन समाज की परंपरा अनुसार रिबन काटने की बजाय रिबन खोलकर

किया। इस दौरान रक्त एकत्रित करने के लिए लायन ब्लड बैंक दिल्ली से टीम आई हुई थी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि मनुष्य जीवन में धन-दौलत व अन्य प्रकार के दान तो करता रहता है, लेकिन उसे रक्तदान भी अवश्य करना चाहिए क्योंकि यह एक प्रकार से जीवनदान है। उन्होंने जैन सभा द्वारा आयोजित कैंप की सराहना करते हुए कहा कि कोरोना काल में इस तरह का रक्तदान शिविर बड़ी सावधानी से आयोजित करना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा एक वृतांत के माध्यम से जैन समाज के लोगों का समाज के

हरियाणा दिवस के अवसर पर श्री एस.एस. जैन सभा की ओर से आयोजित किया रक्तदान शिविर

उत्थान और जागरूकता लाने के लिए सहयोग के बारे में भी बताया। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह ने कहा कि दुर्घटना के समय कई बार पीड़ित को खून के अभाव में जान गंवानी पड़ जाती है। इसलिए एक स्वस्थ व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान अवश्य करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे स्वयं नियमित रूप से रक्तदान करते हैं और लोगों को इसके लिए प्रेरित करते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	**01.11.2020**	——	--

हम रक्तदान कर दे सकते हैं दूसरों को जीवनदान : प्रोफेसर समर सिंह

श्री एस.एस. जैन सभा की ओर से आयोजित किया रक्तदान शिविर

कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह व अन्य।

टुडे न्यूज | हिसार

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदाता रक्तदान कर दूसरों को जीवन दान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। साथ ही अन्य लोगों को भी रक्तदान के प्रति जागरूक करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे श्री एस.एस. जैन सभा द्वारा हरियाणा दिवस पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यातिथियों ने जैन समाज की परंपरा अनुसार रिबन काटने की बजाय रिबन खोलकर किया। इस दौरान रक्त एकत्रित करने के लिए लायन ब्लड बैंक दिल्ली से टीम आई हुई थी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि मनुष्य जीवन में धन-दौलत व अन्य प्रकार के दान तो करता रहता है, लेकिन उसे रक्तदान भी अवश्य करना चाहिए क्योंकि यह एक प्रकार से जीवनदान है। उन्होंने जैन सभा द्वारा आयोजित कैंप की सराहना करते हुए कहा कि कोरोना काल में इस तरह का रक्तदान शिविर बड़ी सावधानी से आयोजित करना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा एक वृतांत के माध्यम से जैन समाज के लोगों का समाज के उत्थान और जागरूकता लाने के लिए सहयोग के बारे में भी बताया। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह ने कहा कि दुर्घटना के समय कई बार पीड़ित को खून के अभाव में जान गंवानी पड़ जाती है। इसलिए एक स्वस्थ व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान अवश्य करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे स्वयं नियमित रूप से रक्तदान करते हैं और लोगों को इसके लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री एस.एस. जैन सभा के सदस्य एवं एचएयू के वित नियंत्रक श्री नवीन जैन ने सभी का स्वागत करते हुए संस्था द्वारा किए जाने वाले सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस दौरान शहर के मेयर श्री गौतम सरदाना ने इस तरह के सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए सभा की सराहना की और अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान करीब 600 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करवाया है। उनका लक्ष्य अधिक से अधिक रक्तदान करवाना है ताकि जरूरतमंदों को रक्त की कमी न रहे। कार्यक्रम में सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा गया। सभा के प्रधान प्रवीण जैन ने सभी अतिथियों का इस कार्यक्रम में पहुंचने पर धन्यवाद किया और उन्हें शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इनका रहा विशेष सहयोग

इस कार्यक्रम को आयोजित कराने में भारत विकास परिषद शाखा, रेजीडेंस वेल्फेयर एसोसिएशन पीएलए, मुनि मायाराम धर्मार्थ हॉस्पिटल शालीमार बाग दिल्ली का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में डॉ. हरिदत्त कौशिक, तेरा पंथ जैन समाज के अध्यक्ष संजय जैन, गौरव जैन, डॉ. प्रदीप जैन, विजेंद्र जैन, राजेश जैन, मुकेश गोयल, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. रविंद्र दिल्लो, भरत राम जैन, उपप्रधान दिनेश जैन, सुधीर जैन, कोषाध्यक्ष राकेश जैन, दीपक जैन, मीनू जैन, दीक्षा जैन, संतोष जैन, महिला प्रधान सुभाष कुमारी जैन सहित अन्य प्रमुख समाजसेवी लोग शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**01.11.2020**	——	--

हरियाणा दिवस के अवसर पर श्री एस.एस. जैन सभा ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन शिविर

हम रक्तदान कर दे सकते हैं दूसरों को जीवनदान : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदाता रक्तदान कर दूसरों को जीवन दान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। साथ ही अन्य लोगों को भी रक्तदान के प्रति जागरूक करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे श्री एस.एस. जैन सभा द्वारा हरियाणा दिवस पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यातिथियों ने जैन समाज की परंपरा अनुसार रिबन काटने की बजाय रिबन खोलकर किया। इस दौरान रक्त एकत्रित करने के लिए लायन ब्लड बैंक दिल्ली से टीम आई हुई थी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि मनुष्य जीवन में धन-दौलत व अन्य प्रकार के दान तो करता रहता

है, लेकिन उसे रक्तदान भी अवश्य करना चाहिए क्योंकि यह एक प्रकार से जीवनदान है। उन्होंने जैन सभा द्वारा आयोजित कैंप की सराहना करते हुए कहा कि कोरोना काल में इस तरह का रक्तदान शिविर बड़ी सावधानी से आयोजित करना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा एक वृतांत के माध्यम से जैन समाज के लोगों का समाज के उत्थान और जागरूकता लाने के लिए सहयोग के बारे में भी बताया। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह ने कहा कि दुर्घटना के समय कई बार पीड़ित को खून के अभाव में जान गंवानी पड़ जाती है। इसलिए एक स्वस्थ व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान अवश्य करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे स्वयं नियमित रूप से रक्तदान करते हैं और लोगों को इसके लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए एसएस जैन सभा के सदस्य एवं एचएयू के वित नियंत्रक नवीन जैन ने सभी का स्वागत करते हुए संस्था द्वारा किए जाने वाले सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस दौरान शहर के मेयर गौतम सरदाना ने इस तरह के सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए सभा की सराहना की और अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान करीब 600 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करवाया है। उनका लक्ष्य अधिक से अधिक रक्तदान करवाना है ताकि जरूरतमंदों को रक्त की कमी न रहे। कार्यक्रम में सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा गया। सभा के प्रधान प्रवीण जैन ने सभी अतिथियों का इस कार्यक्रम में पहुंचने पर धन्यवाद किया और उन्हें शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इनका रहा विशेष सहयोग

कार्यक्रम के आयोजन में भारत विकास परिषद शाखा, रेजीडेंस वेल्फेयर एसोसिएशन पीएलए, मुनि मायाराम धर्मार्थ हॉस्पिटल शालीमार बाग दिल्ली का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में डॉ. हरिदत्त कौशिक, तेरा पंथ जैन समाज के अध्यक्ष संजय जैन, गौरव जैन, डॉ. प्रदीप जैन, विजेंद्र जैन, राजेश जैन, मुकेश गोयल, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. रविंद्र ढिल्लो, भरत राम जैन, उपप्रधान दिनेश जैन, सुधीर जैन, कोषाध्यक्ष राकेश जैन, दीपक जैन, मीनू जैन, दीक्षा जैन, संतोष जैन, महिला प्रधान सुभाष कुमारी जैन सहित अन्य प्रमुख समाजसेवी लोग शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**01.11.2020**	——	--

स्वयं भी रक्तदान करें, लोगों को भी प्रेरित करें : कुलपति

हिसार/01 अक्टूबर/रिपोर्टर

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदाता रक्तदान कर दूसरों को जीवन दान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। साथ ही अन्य लोगों को भी रक्तदान के प्रति जागरूक करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने श्री एसएस जैन सभा द्वारा हरियाणा दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यातिथियों ने जैन समाज की परंपरा अनुसार रिबन काटने की बजाय रिबन खोलकर किया। इस दौरान रक्त एकत्रित करने के लिए लायन ब्लड बैंक दिल्ली से टीम आई हुई थी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि मनुष्य जीवन में धन-दौलत व अन्य प्रकार के दान तो करता रहता है, लेकिन उसे रक्तदान भी अवश्य करना चाहिए क्योंकि यह एक प्रकार से जीवनदान है। उन्होंने जैन सभा द्वारा आयोजित शिविर की

सराहना करते हुए कहा कि कोरोना काल में इस तरह का रक्तदान शिविर बड़ी सावधानी से आयोजित करना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा एक वृतांत के माध्यम से जैन समाज के लोगों का समाज के उत्थान और जागरूकता लाने के लिए सहयोग के बारे में भी बताया। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह ने कहा कि दुर्घटना के समय कई बार पीड़ित को खून के अभाव में जान गंवानी पड़ जाती है। इसलिए एक स्वस्थ व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान अवश्य करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे स्वयं नियमित रूप से रक्तदान करते हैं और लोगों को इसके लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री एसएस जैन सभा के सदस्य एवं एचएयू के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने संस्था द्वारा किए जाने वाले सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों की जानकारी दी।

इस दौरान मेयर गौतम सरदाना ने इस तरह के सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए सभा की सराहना की और अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान करीब 600 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करवाया है। उनका लक्ष्य अधिक से अधिक रक्तदान करवाना है ताकि जरूरतमंदों को रक्त की कमी न रहे। कार्यक्रम में सामाजिक दूरी, मास्क व सैनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा गया। सभा के प्रधान प्रवीण जैन ने सभी अतिथियों को शॉल व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम को आयोजित कराने में भारत विकास परिषद शाखा, रेजीडेंस वैलफेयर एसोसिएशन पीएलए, मुनि मायाराम धर्मार्थ हॉस्पिटल शालीमार बाग दिल्ली का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में डॉ. हरिदत्त कौशिक, तेरा पंथ जैन समाज के अध्यक्ष संजय जैन, गौरव जैन, डॉ. प्रदीप जैन, विजेंद्र जैन, राजेश जैन, मुकेश गोयल, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. रविंद्र ढिल्लो, भरत राम जैन, उप प्रधान दिनेश जैन, सुधीर जैन, कोषाध्यक्ष राकेश जैन, दीपक जैन, मीनू जैन, दीक्षा जैन, संतोष जैन, महिला प्रधान सुभाष कुमारी जैन सहित अन्य प्रमुख समाजसेवी लोग शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा न्यूज एक्सप्रैस	**01.11.2020**	——	--

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....समर उजाला.....

दिनांक 2.11.2020.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....1-2.....

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. आरएस हुड्डा

बारानी के हालात में गेहूं की सी-306 की बिजाई 15 तक करें

बारानी हालातों में सी - 306 की बिजाई नवंबर के पहले सप्ताह तक करें। कम उपजाऊ, कम सिंचित दशा व बारानी क्षेत्रों के लिए डब्ल्यूएच 1142 व डब्ल्यूएच 147 का इस्तेमाल करें।

सिंचित उपजाऊ जमीन में समय पर बिजाई के लिए (25 अक्तूबर से 15 नवंबर) डब्ल्यूएच 1105, डब्ल्यूएच 1184, एचडी 2967, डीबीडब्ल्यू 88, डीपीडब्ल्यू 621-50, एचडी 3086, डब्ल्यूएच 283, पीबीडब्ल्यू 550, डब्ल्यूएच 542 की सिफारिश की जाती है। पछेती बिजाई (26 नवंबर से 25 दिसंबर) के लिए डब्ल्यूएच 1021, डब्ल्यूएच 1124, डीबीडब्ल्यू 90, एचडी 3059 व राज 3765 किस्मों का इस्तेमाल करें। कठिया गेहूं के लिए डब्ल्यूएच 896, डब्ल्यूएच 912, डब्ल्यूएचडी 943 किस्मों का इस्तेमाल करें। पीता रतुआ प्रभावित हरियाणा के उत्तर पूर्वी क्षेत्रों में किसान पीबीडब्ल्यू 343, पीबीडब्ल्यू 373, डब्ल्यूएच 711, एचडी 2851, डीबी डब्ल्यू 17, सुपर बरबट आदि किस्में न उगाएं, क्योंकि ये किस्तेम पीता रतुआ के लिए अत्यंत रोगग्राही है। सी-306 (सिंचित इलाके) की बिजाई इस माह के दूसरे सप्ताह तक पूरी कर लें।

डॉ. आरएस हुड्डा
हरियाणा कृषि विवि में विस्तार शिक्षा निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

पछेती बिजाई के लिए 50 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ पर्याप्त है। बिजाई कतारों में, खाद-बीज ड्रिल या पोरा विधि से 20 सेंटीमीटर की दूरी पर करें। ध्यान रहे कि देसी किस्मों की बिजाई लगभग 6 -7 सेंटीमीटर और बौनी किस्मों की बिजाई 5 - 6 सेंटीमीटर से अधिक गहरी न करें। खरपतवारों की रोकथा के लिए फसल की शुरू की बढ़वार में लगभग 30 दिन क अंदर ही निराई-गुड़ाई करें। यदि खरपतवारों की रोकथाम शाकनाशकों द्वारा करनी हो तो चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों की रोकथाम के लिए 2,4-डी का इस्तेमाल करें। इसके लिए 250 ग्राम 2,4-डी (सोडियम साल्ट 80 प्रतिशत)को 300 मिलीलीटर 2,4-डी (एस्टर 34.6 प्रतिशत) या एलग्रीप 8 ग्राम 250 लीटर पानी में मिलाकर एक एकड़ में छिड़काव करें।

गेहूं में मालवा, जंगली पालक, हिरणखुरी व अन्य चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए कारफेन्ट्राजोन ईथाईल (एफीनिटी) 40 प्रतिशत डीएफ की 20 ग्राम प्रति एकड़ या सभी प्रकार के चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए नियंत्रण के लिए लेनफिडा (मैटसल्फ्यूरॉन 10 प्रतिशत प्लस कारफेन्ट्राजोन 40 प्रतिशत मिश्रण) की 20 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ प्लस 0.2 प्रतिशत सहायक पदार्थ के हिसाब से 200-250 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। यह छिड़काव बौनी किस्मों में बिजाई के लिए लगभग30-35 दिन बाद व देसी किस्मों में बिजाई के 40-45 दिन बाद (जब पौधों में 3-6 पत्तियां बन जाएं) करना चाहिए। धन रखें कि 2,4-डी का इस्तेमाल गेहूं की डब्ल्यूएच 283 किस्म में और मिलवा गेहूं के साथ चना, सरसों आदि की फसल में न करें।

प्रस्तुति : अमित भारद्वाज, हिसार

सवाल भेजें (व्हाट्सएप नंबर) 7617566173

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम: दैनिक जागरण

दिनांक 2.11.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 2-3

सदलपुर गांव के कृषि विज्ञान केंद्र में लगी अजोला यूनिट

गांव सदलपुर में लगाई गई अजोला यूनिट। ● विज्ञप्ति

संवाद सहयोगी, मंडी आदमपुर : सदलपुर के कृषि विज्ञान केंद्र के प्रांगण में पशुओं के हरे चारे की पूर्ति के लिए तेजी से बढ़ने वाली अजोला घास की प्रदर्शन यूनिट लगाई गई है, ताकि किसान व पशुपालक इसे अपनाकर बड़े स्तर पर लगा सके। अजोला घास एक प्रकार की जलीय फर्न है और यह पानी की सतह पर तैरती रहती है। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के संयोजक डा. नरेंद्र कुमार ने बताया कि अजोला से पशुओं में कैल्शियम, फॉस्फोरस, लोहे की आवश्यकता की पूर्ति होती है, जिससे पशुओं का शारीरिक विकास अच्छा होता है। यह गाय, भैंस, भेड़, बकरियों, मुर्गियों आदि के लिए एक आदर्श चारा सिद्ध हो रहा है। दुधारू पशुओं पर किए गए प्रयोगों से साबित होता है कि जब पशुओं को उनके दैनिक आहार के साथ 1.5 से 2 किग्रा अजोला प्रतिदिन दिया जाता है तो दूध उत्पादन में 15-20 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......अमर उजाला......

दिनांक 1.11.2020 पृष्ठ संख्या......3...... कॉलम......3-8......

दिन में एक्यूआई 382, सांस के मरीजों को परेशानी

न्यूनतम तापमान 11.2 और अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। मौसम लगातार बदल रहा है। बढ़ती ठंड के बीच शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक में थोड़ी गिरावट आई, लेकिन प्रदूषण से राहत नहीं मिली। शनिवार को दिन में 3 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 382 पर पहुंच गया था। शाम 8 बजे यह 340 दर्ज किया गया। शनिवार को यह 432 पर पहुंच गया था। पिछले एक हफ्ते से वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार 300 के पार बना हुआ है। यह सांस के मरीजों के साथ ही आम लोगों की भी परेशानी बढ़ा रहा है।

दूसरी तरफ, दिन और रात्रि के तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की गई। दिन का तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस और रात्रि तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ढंढूर डंपिंग स्टेशन पर छाया स्मॉग तथा कूड़े के ढेर से निकलता धुआं। संवाद

पराली जलाने पर दो के किए चालान -

जिले में पराली जलाने के केस लगातार सामने आ रहे हैं। शनिवार को हरसैक की तरफ से कृषि विभाग को 6 जगह आग लगने की रिपोर्ट सौंपी गई। जिनमें से 2 जगहों पर पराली जलाई गई थी। विभाग ने इनका चालान कर दिया। जिले में अब तक 81 एकड़ 2 कनाल जमीन पर पराली जलाई जा चुकी है और इसके लिए 58 चालान किए गए हैं।

आमतौर पर खुश्क रहने की संभावना है। इस दौरान पर खुश्क

धुंध/स्मॉग जैसा मौसम बने रहने की संभावना है। बीचबीच में हल्की